जेसी ओवेन्स
ओलिंपिक चैंपियन

जेन सटक्लिफ

चित्र : जेनिस ली पोर्टर
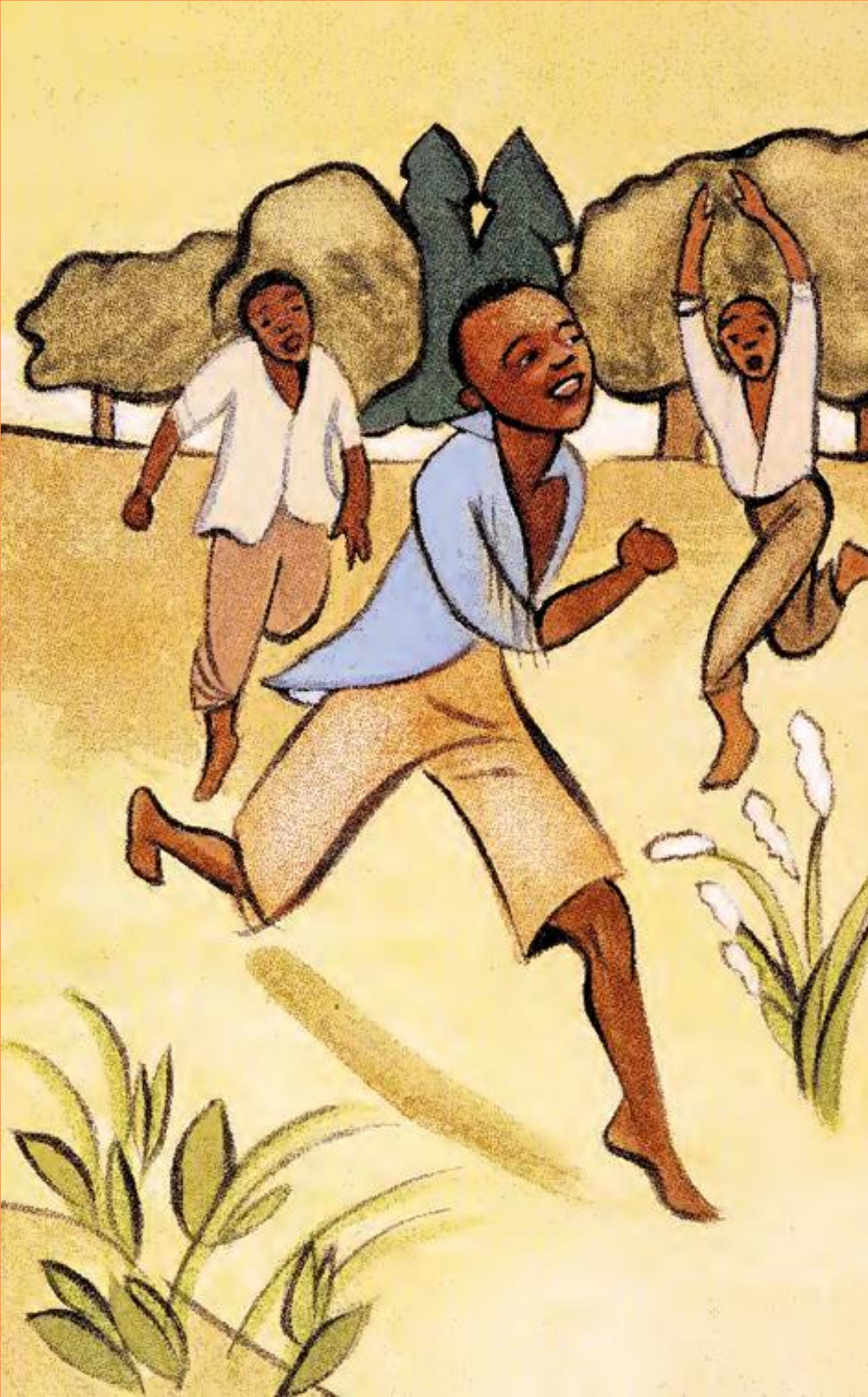
ओकविले, अलबामा, 1920

जे. सी. के नंगे पांव जमीन से सटे थे.

उसे अपने दोस्तों के साथ पकड़ा-पकड़ी खेलना पसंद था.

एक लड़का उसे छूने पहुंचा.

लेकिन जे.सी. तेज़ी से भागा

अन्य लड़कों ने ताली बजाकर उसका हौंसला बढ़ाया.

जब जे.सी. ओवेन्स भागा, तो उसे कोई पकड़ नहीं पाया.

जे.सी. का जन्म 1913 में हुआ.

उनका असली नाम जेम्स क्लीवलैंड ओवेन्स था.

वो अपने सात भाइयों और बहनों के साथ बड़ा हुआ.

ओवेन्स परिवार एक फार्म पर रहता था.

वे कड़ी मेहनत करके, मक्का और कपास की खेती करते थे.

लेकिन उनकी उगाई ज्यादातर फसल,

जमीन का अमीर मालिक ले जाता था.

ओवेन्स परिवार गरीब था.

जे.सी.आमतौर पर फटे कपड़े ही पहनता था.
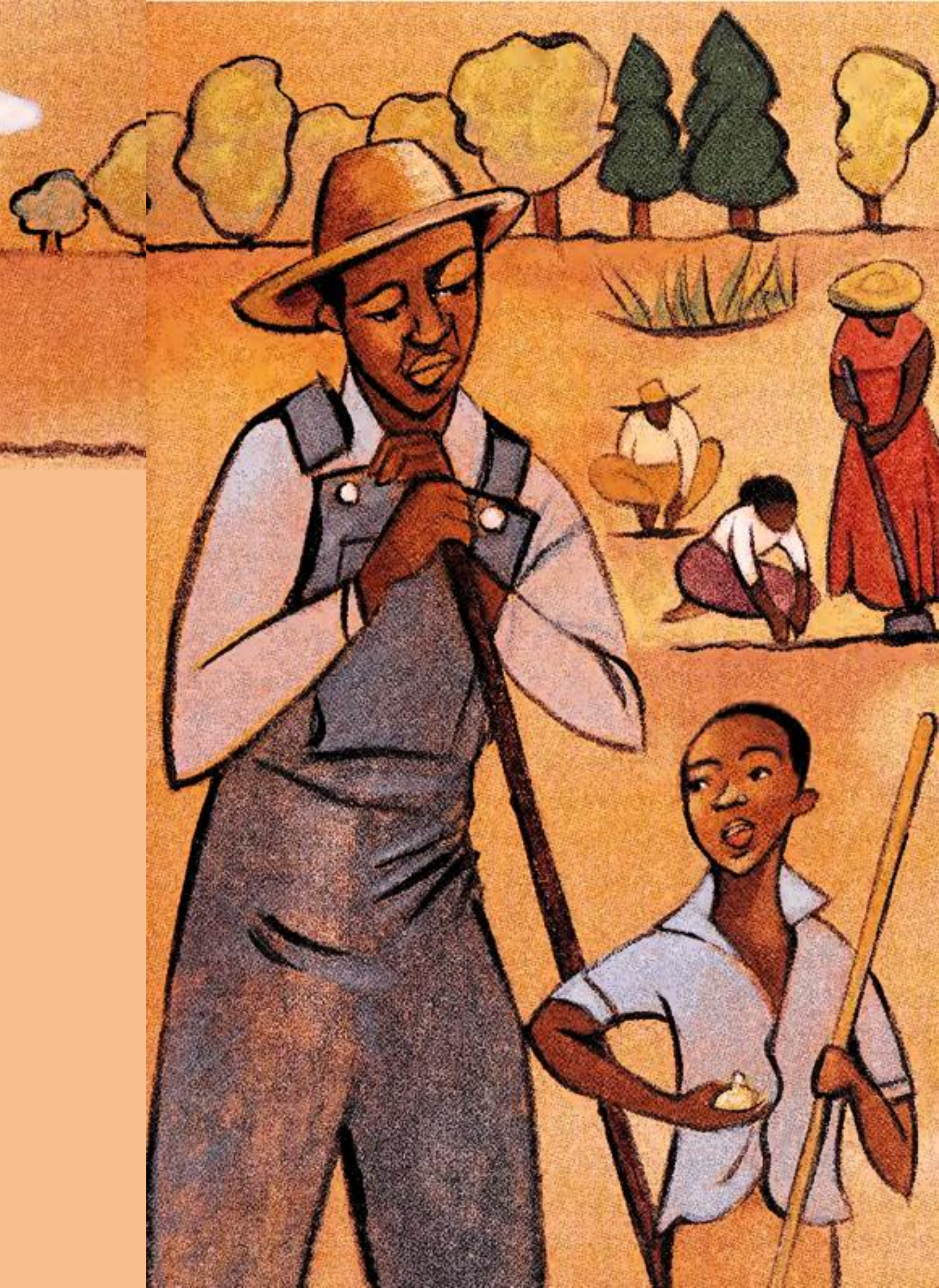
फिर भी परिवार के पास हमेशा खाने के लिए पर्याप्त अनाज होता था.

और दुःख-दर्द में वे एक दूसरे की मदद करते थे.

मजे के लिए. जे. सी. और उसके भाई

पास के तालाब में तैरते थे और मछलियां पकड़ते थे.

उन्हें जंगल में शिकार करना पसंद था.

गर्मी की रातों में, वे बाहर आग का अलाव जलाकर सोते थे.

रविवार को जे.सी. का पूरा परिवार एक-साथ चर्च जाता था .

चर्च ख़त्म होने के बाद,

सभी पुरुष रेस में दौड़ने के लिए इकट्ठे होते थे.

जे. सी. के पिता सबसे अच्छे धावक थे.

जे. सी. को अपने पिता एक दौड़ती हुई ट्रेन की तरह लगते थे.

उसने सपना देखा कि किसी दिन वो भी बहुत तेज दौड़ेगा.
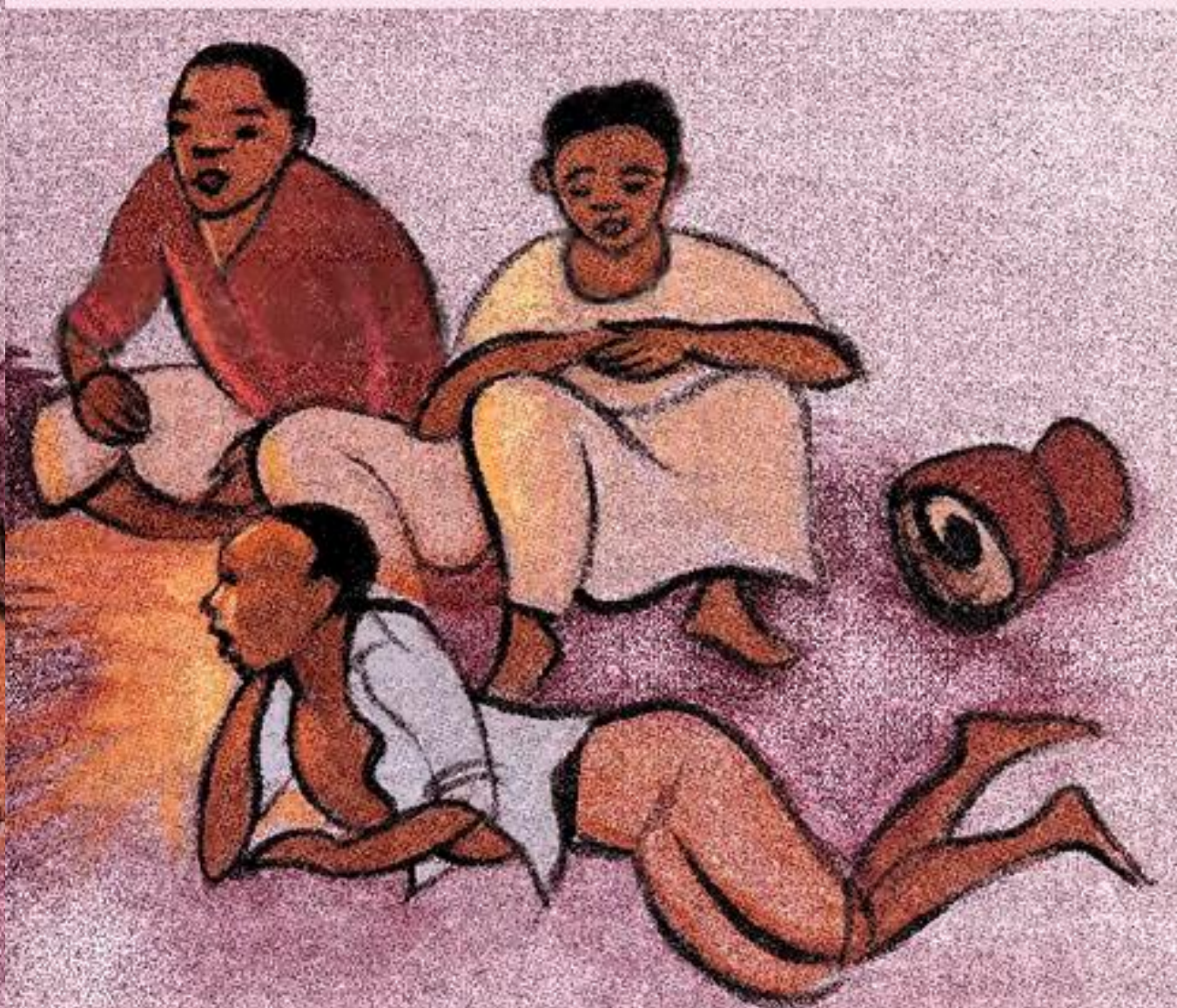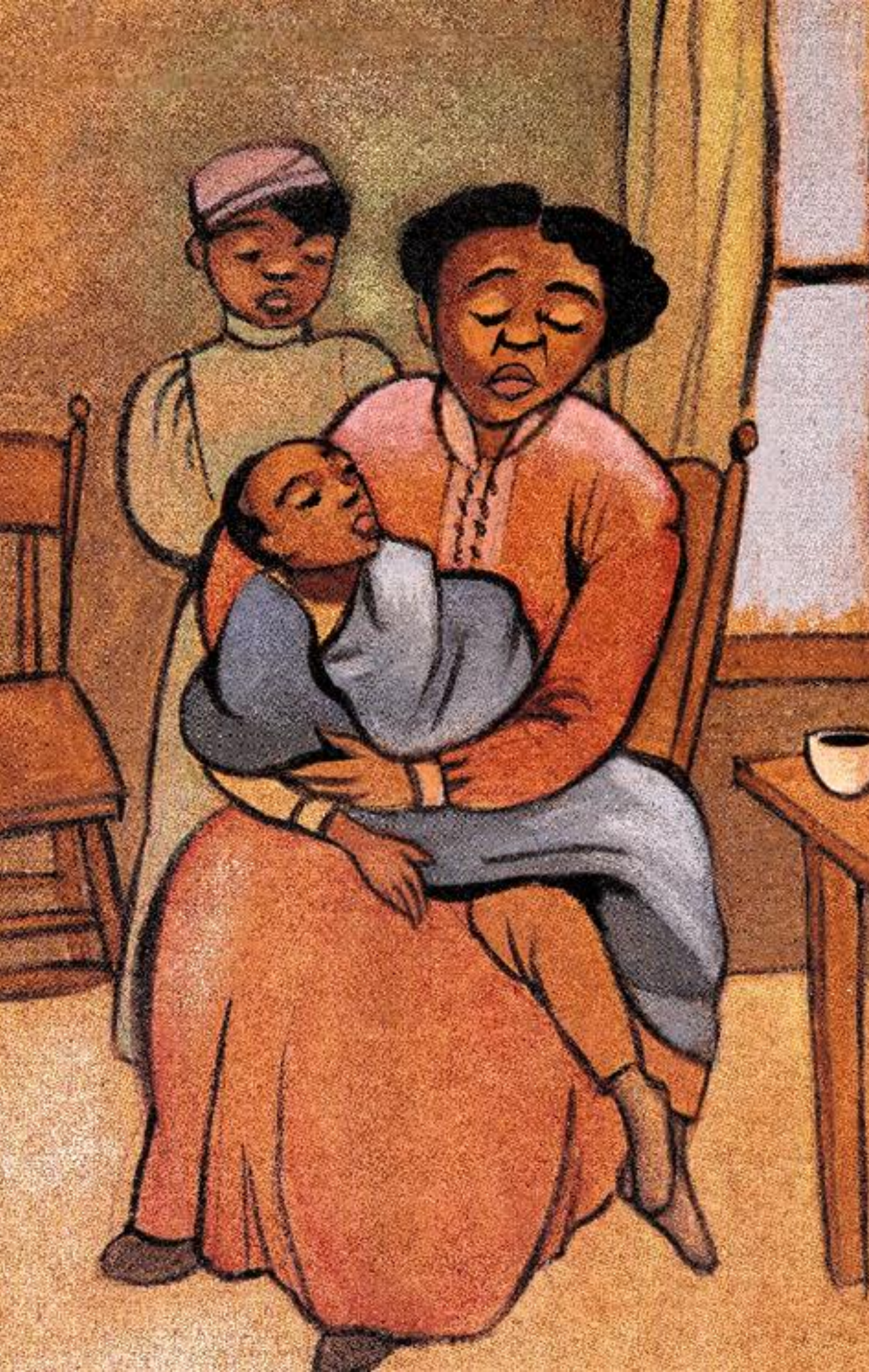
ओवेन्स परिवार का घर लकड़ी

और गत्ते से बनी एक झोंपड़ी था.

घर की दीवारों की झिर्रियों में से सर्द हवाएं अंदर आती थीं.

हर सर्दी में, जे.सी. बहुत बीमार पड़ जाता था.

परिवार उस मौसम को "शैतान की ठंड" कहते थे.

बीमारी के कारण जे.सी. पतला और कमजोर हो गया था.

जे.सी. की माँ अपने बच्चों के लिए

एक बेहतर जीवन का सपना देखती थीं.

अश्वेत परिवारों के लिए दक्षिण में आगे बढ़ना बहुत कठिन था.

इसलिए कई परिवार, उत्तर के शहरों में चले गए थे.

शायद ओवेंस परिवार को भी यही करना चाहिए.

जब जे.सी. नौ वर्ष का था

तब उसका परिवार ओहियो, क्लीवलैंड चला गया.

वहां जे.सी. एक नए स्कूल में गया और उसने नए दोस्त बनाए.

क्लीवलैंड के लोग उस तरह से बात नहीं करते थे

जैसे जे. सी. और उसका परिवार करता था.

उसके स्कूल के पहले दिन, जे.सी. की

टीचर ने उससे उसका नाम पूछा.

उसने अपने दक्षिणी लहजे में जवाब दिया, "जे. सी.".

टीचर को वो "जेसी" लगा.

जे. सी. टीचर के उच्चारण को ठीक करने में बहुत शरमाया.

तब से सभी उसे "जेसी" बुलाने लगे.

क्लीवलैंड में ओवेन्स परिवार का जीवन पहले से बेहतर था.

जेसी के पिता और भाइयों को

एक स्टील मिल में नौकरी मिल गई.

लगभग 12 साल की उम्र में, जेसी ने भी काम करना शुरू कर दिया.

स्कूल के बाद, उसने पेट्रोल स्टेशन में,

जूते पॉलिश और नर्सरी में पौधों को पानी देने का काम किया.
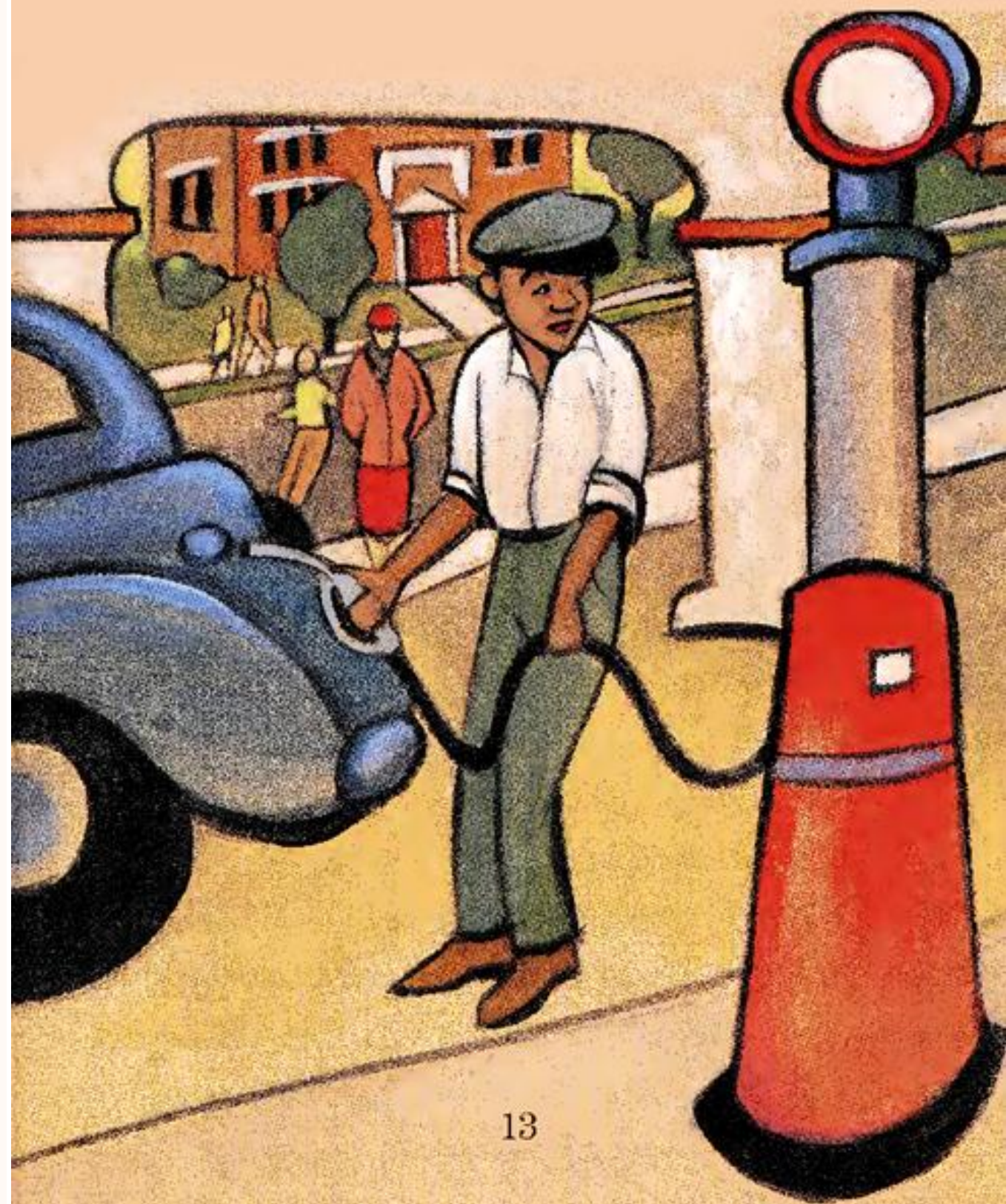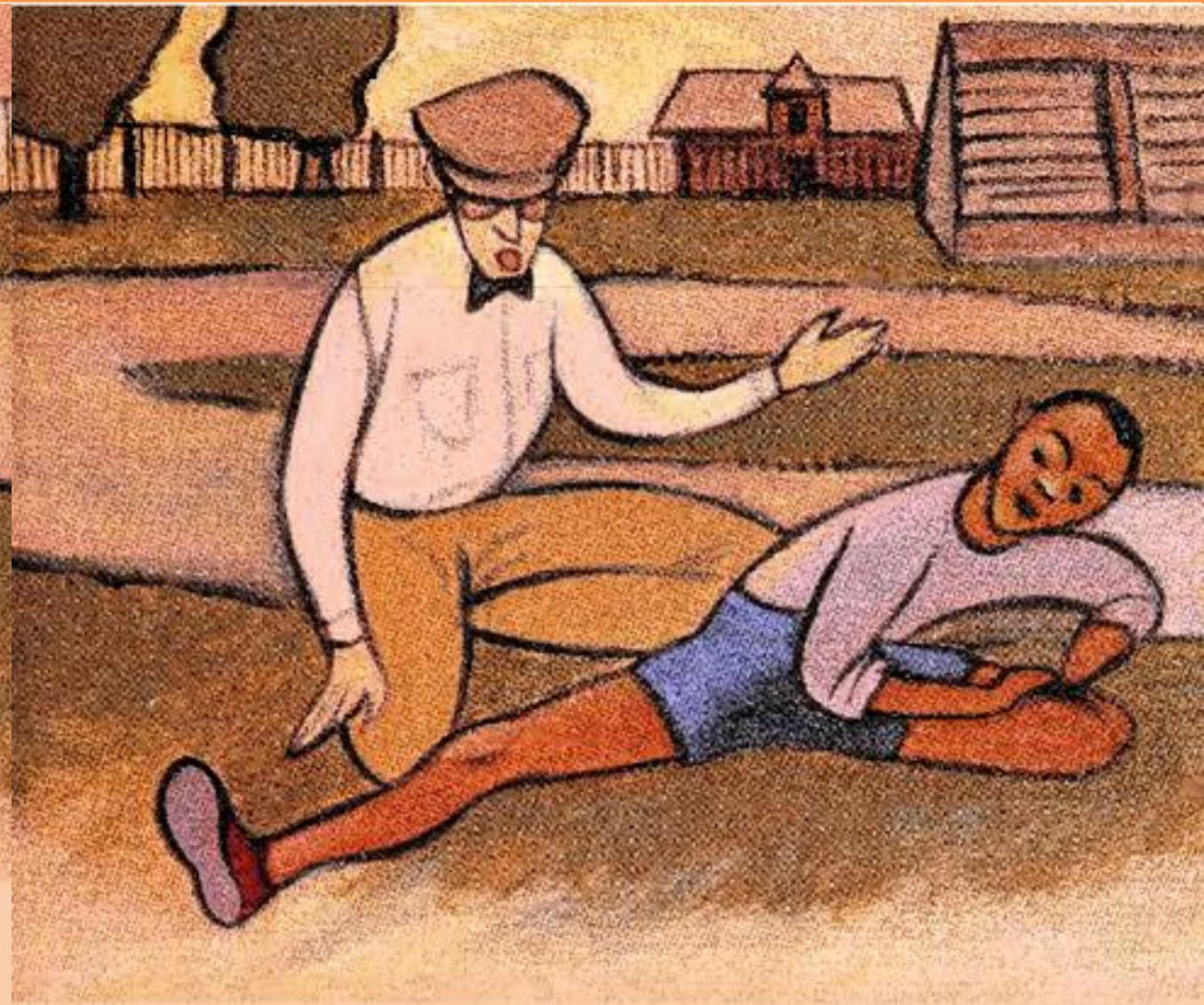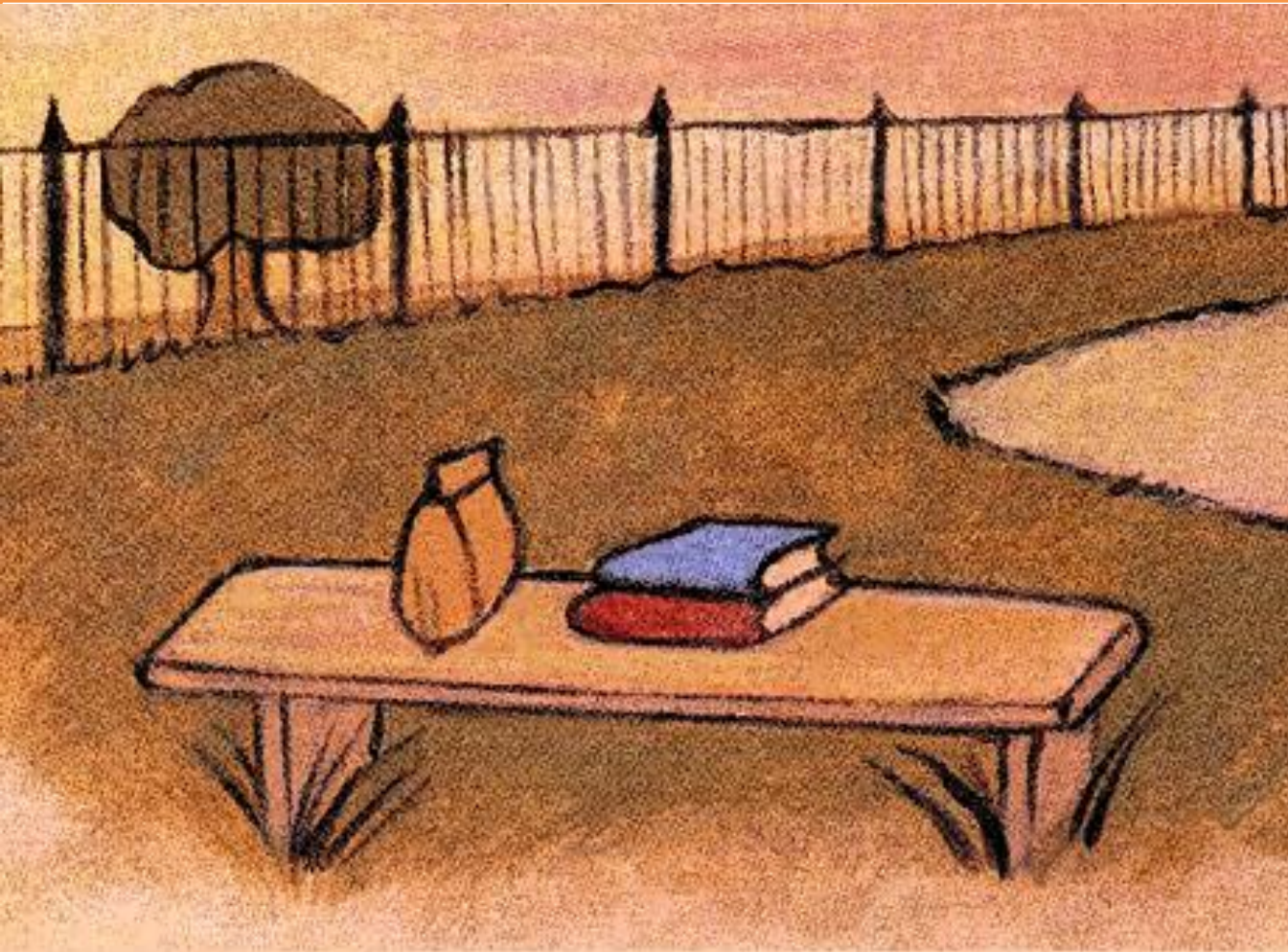
एथलीट बनने की तैयारी

जब जेसी 14 साल का हुआ,

तब उसने जूनियर हाई स्कूल में पढ़ना शुरू किया.

उसके जिम के नए कोच चार्ल्स रिले थे.

कोच रिले को उस पतले पैरों वाले नए लड़के में कुछ खास दिखा.

उन्हें जेसी एक एथलीट की तरह दिखा.

इसलिए कोच ने जेसी को ट्रैक-टीम में शामिल होने के लिए कहा.

जेसी अपने माता-पिता को यह खबर बताने के लिए उत्सुक था.

लेकिन उसमें कुछ समस्याएं भी थीं.

स्कूल ख़त्म होने के बाद ही ट्रैक टीम की ट्रेनिंग शुरू होती थी.

लेकिन स्कूल ख़त्म होने के बाद जेसी को काम करने जाना होता था.

इसलिए कोच ने जेसी से स्कूल शुरू होने से पहले आने को कहा.

हर सुबह, जेसी अभ्यास के लिए एक घंटा पहले उठता था.

उस समय स्कूल एकदम खाली और शांत होता था.

उस समय ट्रैक पर सिर्फ जेसी के पैरों के दौड़ने की आवाज ही होती थी.

जेसी ने हमेशा उसी तरह दौड़ने की कोशिश की,

जैसा कोच ने उसे सिखाया था.

उसने अपना सिर ऊंचा और सीधा रखा.

उसने पैरों को नीचे रखते ही उन्हें उठाने का अभ्यास किया.

"ऐसे दौड़ो जैसे तुम लाल गर्म अंगारों पर दौड़ रहे हो,"

कोच ने उससे कहा.

जल्द ही जेसी, एक सहज, सुंदर शैली के साथ दौड़ रहा था.

एक साल में जेसी के पैर मजबूत हो गए.

उसकी रफ़्तार भी तेज हुई.
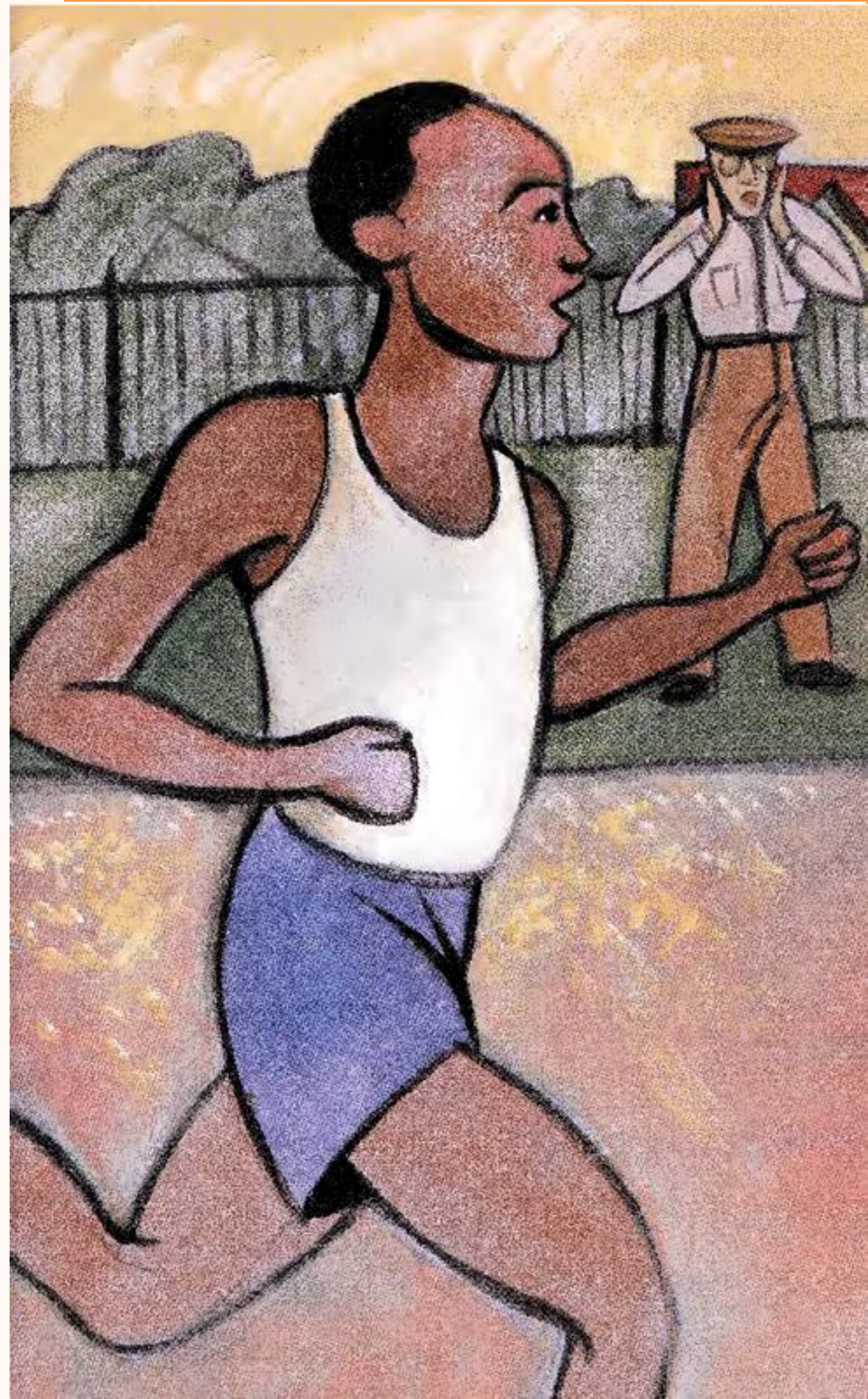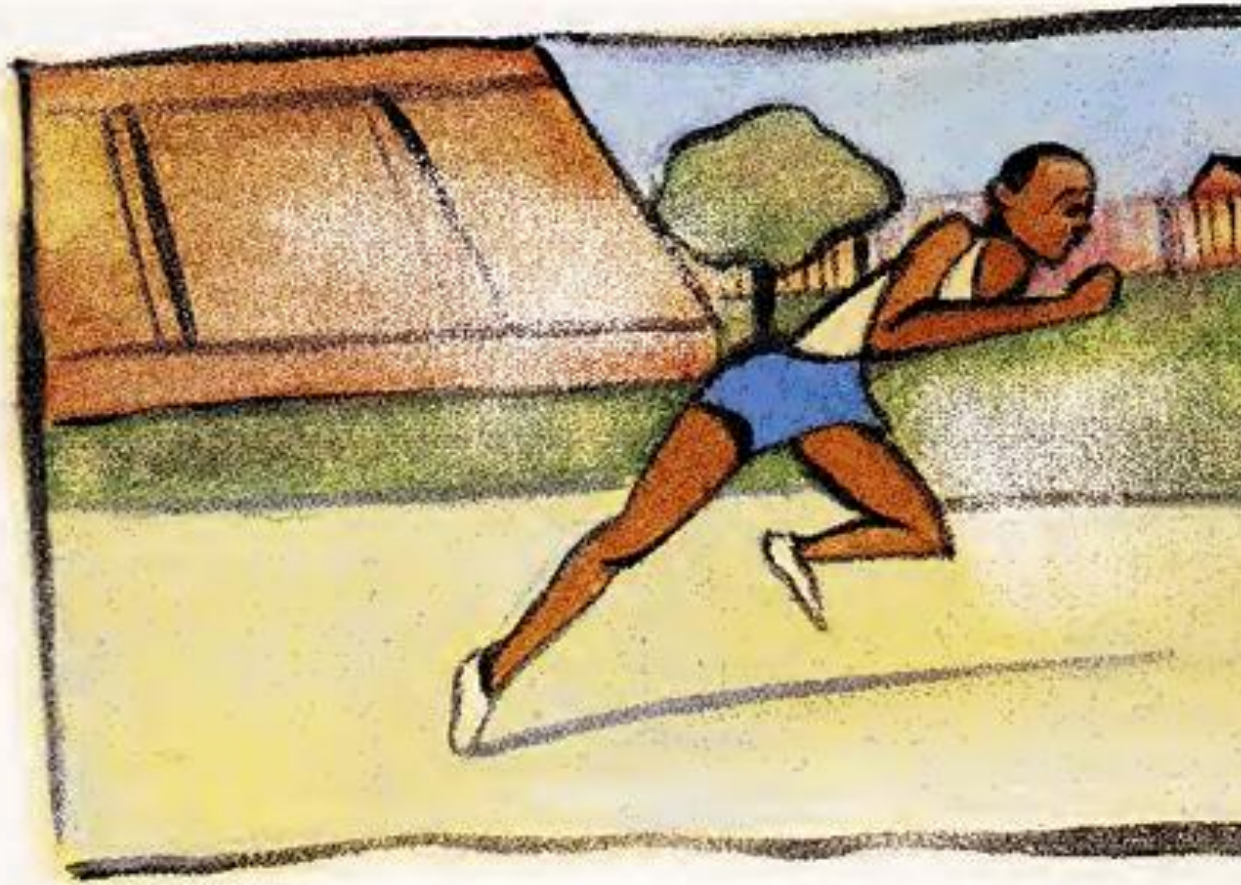
एक दिन कोच ने जेसी की

100-गज़ दौड़ का समय नोट किया.

जेसी के पैर फिनिशिंग लाइन की ओर दौड़ते हुए गए.

कोच ने अपनी स्टॉपवॉच को पढ़ा.

क्या वो सच में इतनी तेज़ दौड़ा था?

कोच ने दूसरी स्टॉपवॉच से जांचा.

जेसी दुबारा दौड़ा.

दोनों बार उसने उतना ही समय लिया था.

जेसी ने 11 सेकेंड में, 100-गज की दौड़ लगाई थी.

वो विश्व रिकॉर्ड के बहुत करीब था!

कोच रिले सही था.

जेसी ओवेन्स एक बेहतरीन युवा एथलीट था.

और अब वो एक चैंपियन बनने जा रहा था.

एक दिन एक प्रसिद्ध धावक जेसी के स्कूल में आए.

चार्ली पैडॉक ने दो ओलंपिक खेलों में पदक जीते थे.

जेसी उनसे हाथ मिलाने के लिए उत्सुक था.

उस समय, उसने भी प्रण किया

कि वो भी एक दिन ओलंपिक चैंपियन बनेगा.

कोच को जेसी का सपना बहुत अच्छा लगा.

जेसी, तुम सिर्फ अगली दौड़ के बारे में मत सोचो.

उसने जेसी से भविष्य के बारे में सोचने के लिए कहा.

"अगले शुक्रवार से तुम अगले चार साल के लिए

ट्रेनिंग शुरू करो," कोच ने कहा.

जेसी ने कोच की बात सुनी और कड़ी मेहनत करी.
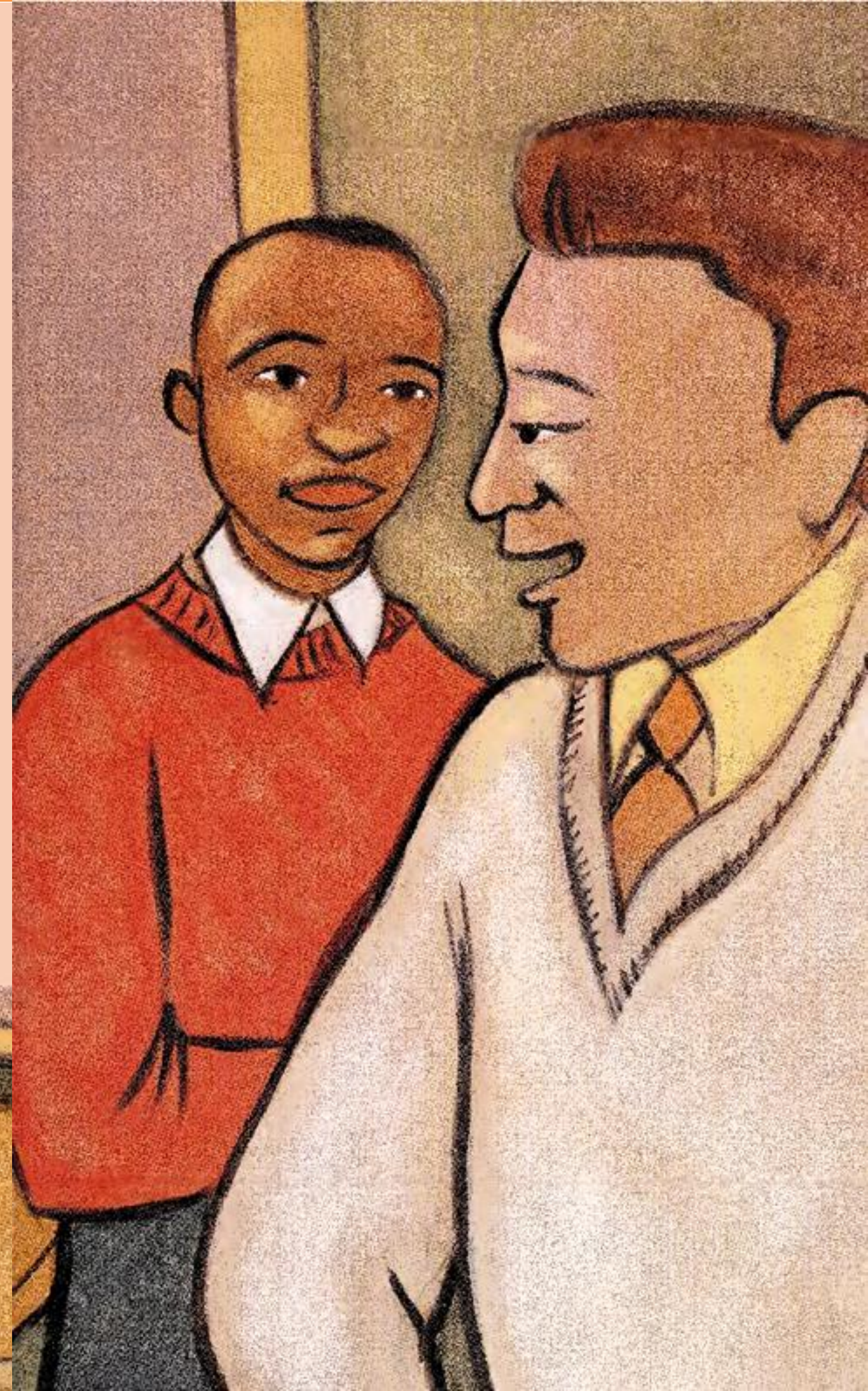
1930 में जेसी ने ईस्ट टेक हाई स्कूल में प्रवेश लिया.

उसने कोच रिले के साथ प्रशिक्षण जारी रखा,

जेसी ने हाई स्कूल में 79 रेसों में भाग लिया.

उसमें से उसने 75 रेसें जीतीं.

उसने लंबी कूद और ऊंची कूद में भी भाग लिया.

अब जेसी रेस जीतने से कुछ ज्यादा कर रहा था.

अब वो नए रिकॉर्ड स्थापित कर रहा था.

आखिरी साल में उसने 220-गज़ रेस में विश्व रिकॉर्ड बनाया.

जेसी को उनके आसान, सुंदर अंदाज में दौड़ते हुए

देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी.

जब जेसी मैदान पर होते तब लोग

मुश्किल से ही किसी और को देखते थे.
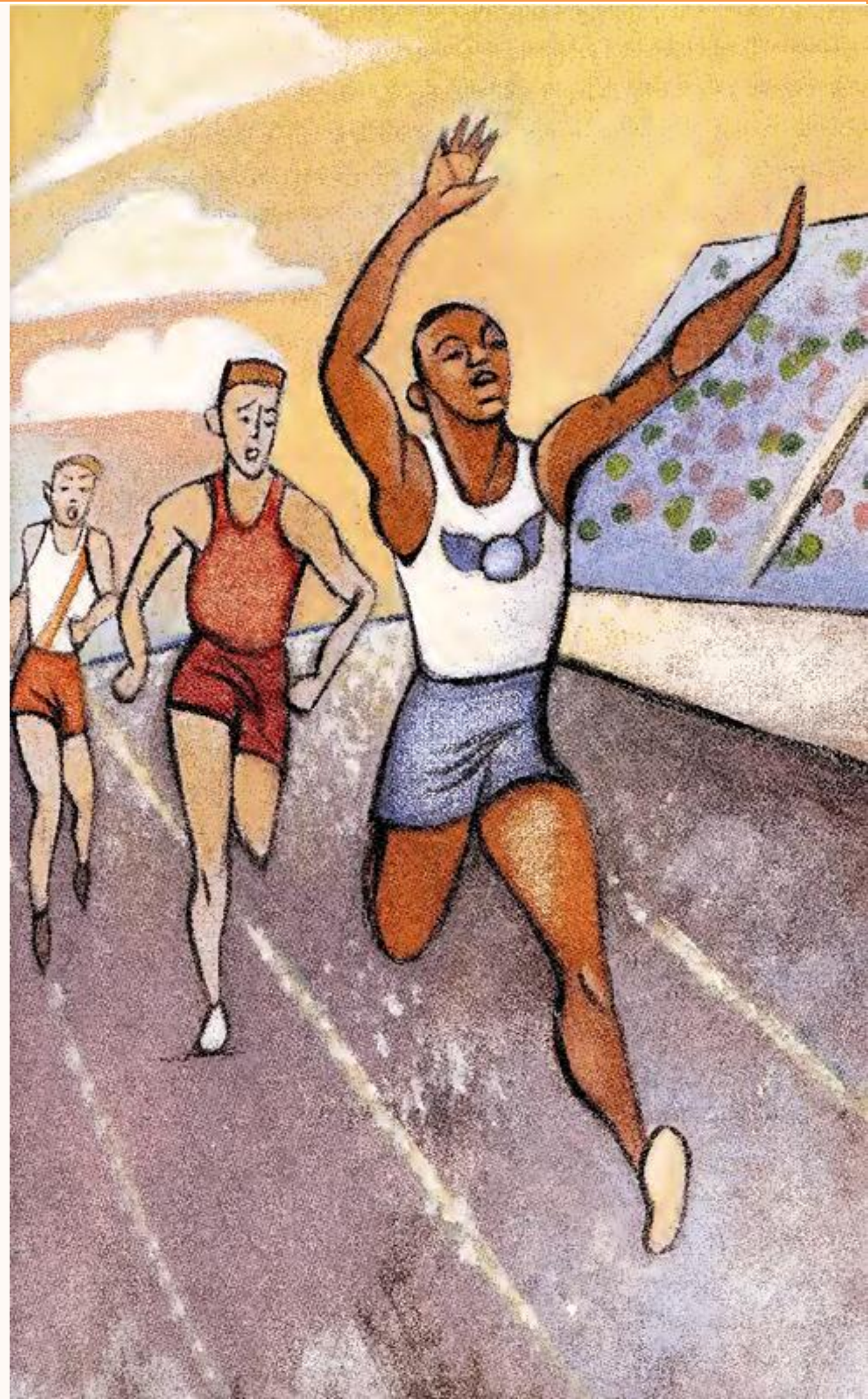
ओहायो

जेसी ने 1933 में हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की.

कई कॉलेज चाहते थे कि वो उनकी ट्रैक-एंड-फील्ड टीम में रहे.

जेसी ने ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी को चुना.

उनके नए कोच लैरी स्नाइडर थे.

कोच स्नाइडर ने जेसी को और भी

तेज दौड़ना और दूरी तक कूदना सिखाया.

जेसी ने ओहियो स्टेट टीम के लिए इवेंट के बाद इवेंट जीते.

मई 1935 में, टीम ने चैंपियनशिप मीट

के लिए मिशिगन की यात्रा की.

दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलते हुए

जेसी की पीठ में चोट लग गई थी.

कोच स्नाइडर नहीं चाहते थे कि जेसी इवेंट में भाग न लें.

लेकिन जेसी ने दर्द की परवाह नहीं की.

उसे पता था कि वो जीत सकता था.
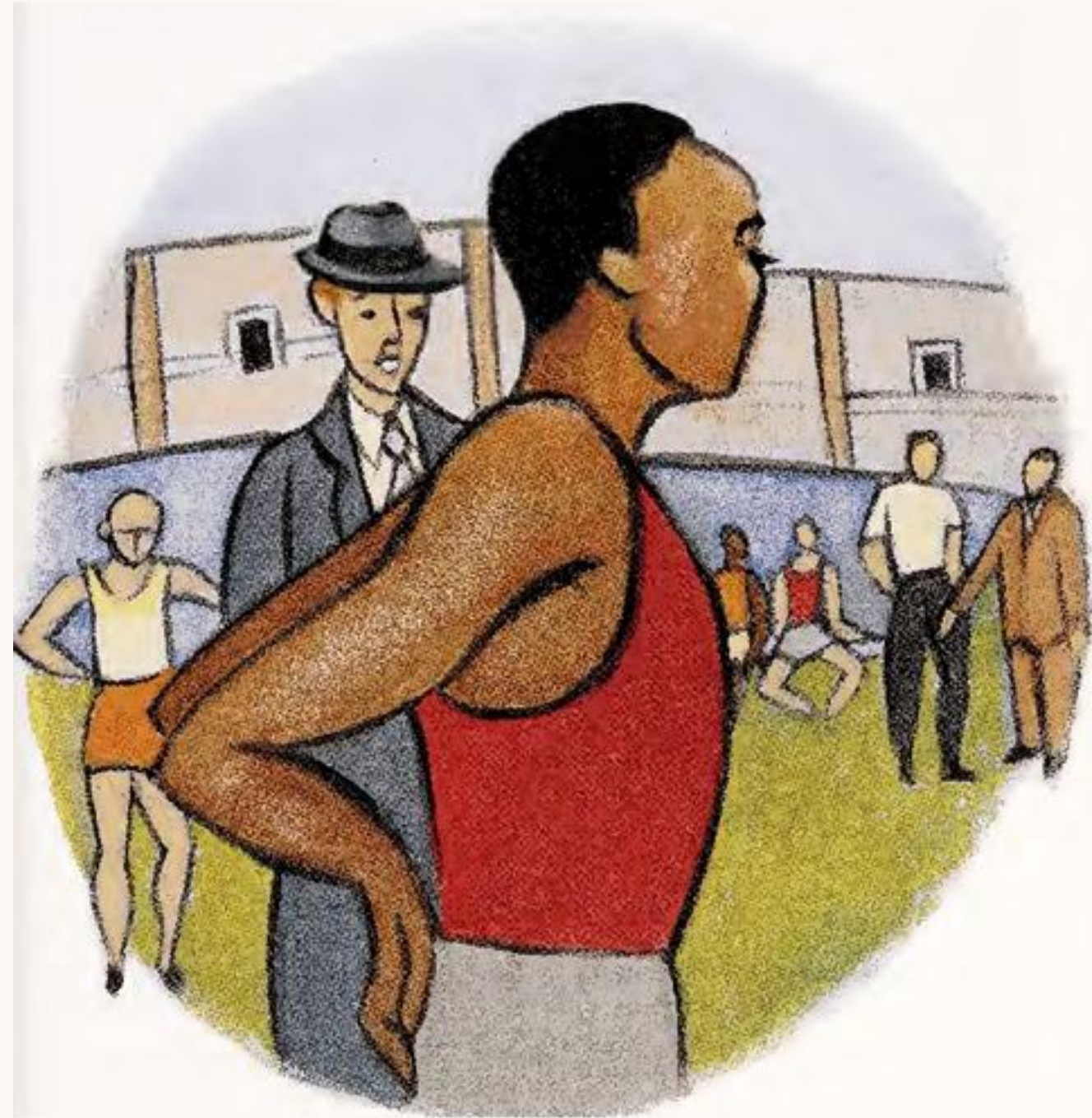
पहली दौड़ 100-गज़ की रेस थी.

ऐसा लगा जेसी के लिए, दौड़ शुरू होते ही खत्म हो गई!

वो जीता, और उसने एक विश्व रिकॉर्ड बनाया.

दूसरी लंबी छलांग थी.

विश्व रिकॉर्ड 26-फीट, 2-इंच का था.

जेसी ने उस दूरी पर अपनी तौलिया रखी.

वह टेक-ऑफ बोर्ड की ओर भागा

और उसने हवा में छलांग लगाई.

तौलिया और करीब आती गई.

अचानक तौलिया उसके पीछे थी!

जेसी ने पुराने रिकॉर्ड को 6-इंच से अधिक से तोड़ दिया था.

कुछ मिनट बाद, उसने 220-यार्ड डैश

और हर्डल्स में भी रिकॉर्ड तोड़ा.

एक घंटे से भी कम समय में,

जेसी ने नए तीन रिकॉर्ड बनाए और

एक पुराने रिकॉर्ड को कायम रखा.

उस दिन जेसी बहुत प्रसिद्ध हुआ.

रिपोर्टर्स ने उन्हें "दुनिया का सबसे तेज इंसान" बताया.

वो जहां भी जाता, लोग उससे हाथ मिलाना चाहता थे.

कुछ महीने बाद, जेसी के पास जश्न मनाने के लिए कुछ और था.

5 जुलाई, 1935 को उसने मिनी रूथ सोलोमन से शादी की.

जेसी के पास वैवाहिक जीवन के आनंद के लिए

ज्यादा समय नहीं था.

पतझड़ में, वो ओहियो राज्य वापस चला गया.

ट्रैक एंड फील्ड टीम में हर कोई

ओलंपिक खेलों के बारे में बात कर रहा था.

ओलंपिक अगले वर्ष, 1936 में होने वाले थे.

जेसी सिर्फ ओलंपिक में जाने के बारे में ही सोचता रहा.
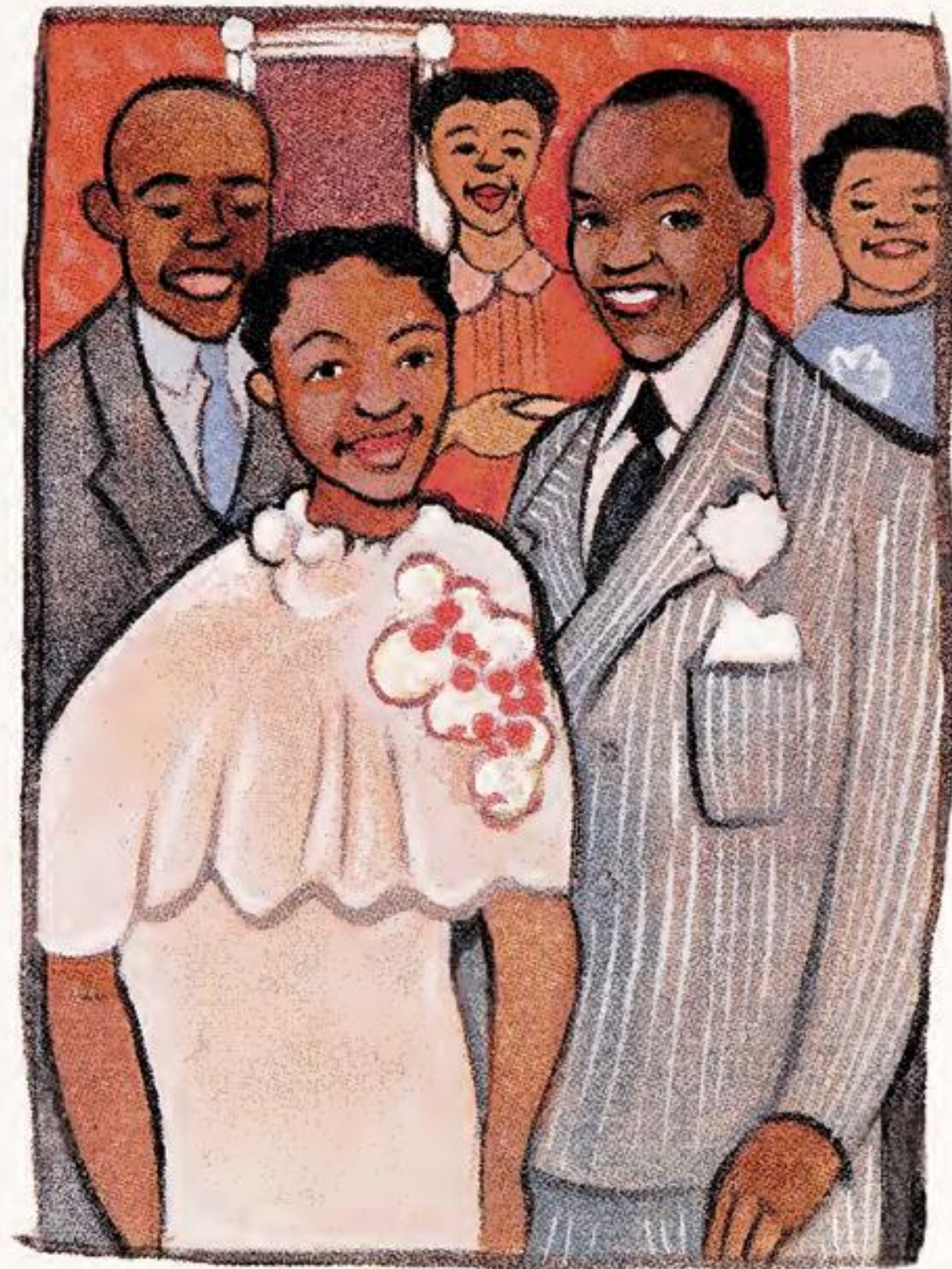
जेसी ने कॉलेज में कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने की कोशिश की.

लेकिन उसे हमेशा पढ़ाई से बेहतर दौड़ना पसंद था.

वो एक विषय में फेल भी हुआ.

इसका मतलब है कि वो वसंत तक

किसी प्रतिस्पर्धा में भाग नहीं ले सकता था.

जेसी ने अपना प्रशिक्षण जारी रखा.

लेकिन सर्दियों में, वो सिर्फ अपने साथियों की

प्रतिस्पर्धा को ही देख सका.

ओलंपिक से पूर्व की प्रतिस्पर्धा आ रही थी.

क्या वो उसके लिए तैयार होगा?

वसंत तक, जेसी फिर से दौड़ सकता था.

एक बार वो फिर रेस जीत रहा था और रिकॉर्ड तोड़ रहा था.

और ओलंपिक के पूर्व की प्रतिस्पर्धा के

सभी आयोजनों में जेसी प्रथम स्थान पर रहा.

अब उसका सपना सच हो रहा था.

वो ओलंपिक में भाग लेने के लिए जा रहा था.

ओलंपिक स्टार

जेसी और उसके अमेरिकी साथियों ने

ओलंपिक खेलों के लिए बर्लिन, जर्मनी की यात्रा की.

एडोल्फ हिटलर 1933 में जर्मनी के नेता थे.

हिटलर का मानना था कि गोरे ईसाई जर्मन,

अन्य लोगों से बेहतर थे.

वह विशेष रूप से यहूदियों

और रंग वाले लोगों से नफरत करता था.

उसका मानना था कि ओलंपिक में,

सफेद जर्मन एथलीट बाकी सभी को हरा देंगे.

इससे दुनिया को पता चलेगा कि हिटलर के विचार सही थे.

पूरी दुनिया में लोग हिटलर और उसके विचारों से भयभीत थे.

उन्हें उम्मीद थी कि जेसी और अन्य अश्वेत एथलीट

हिटलर को गलत साबित करेंगे.
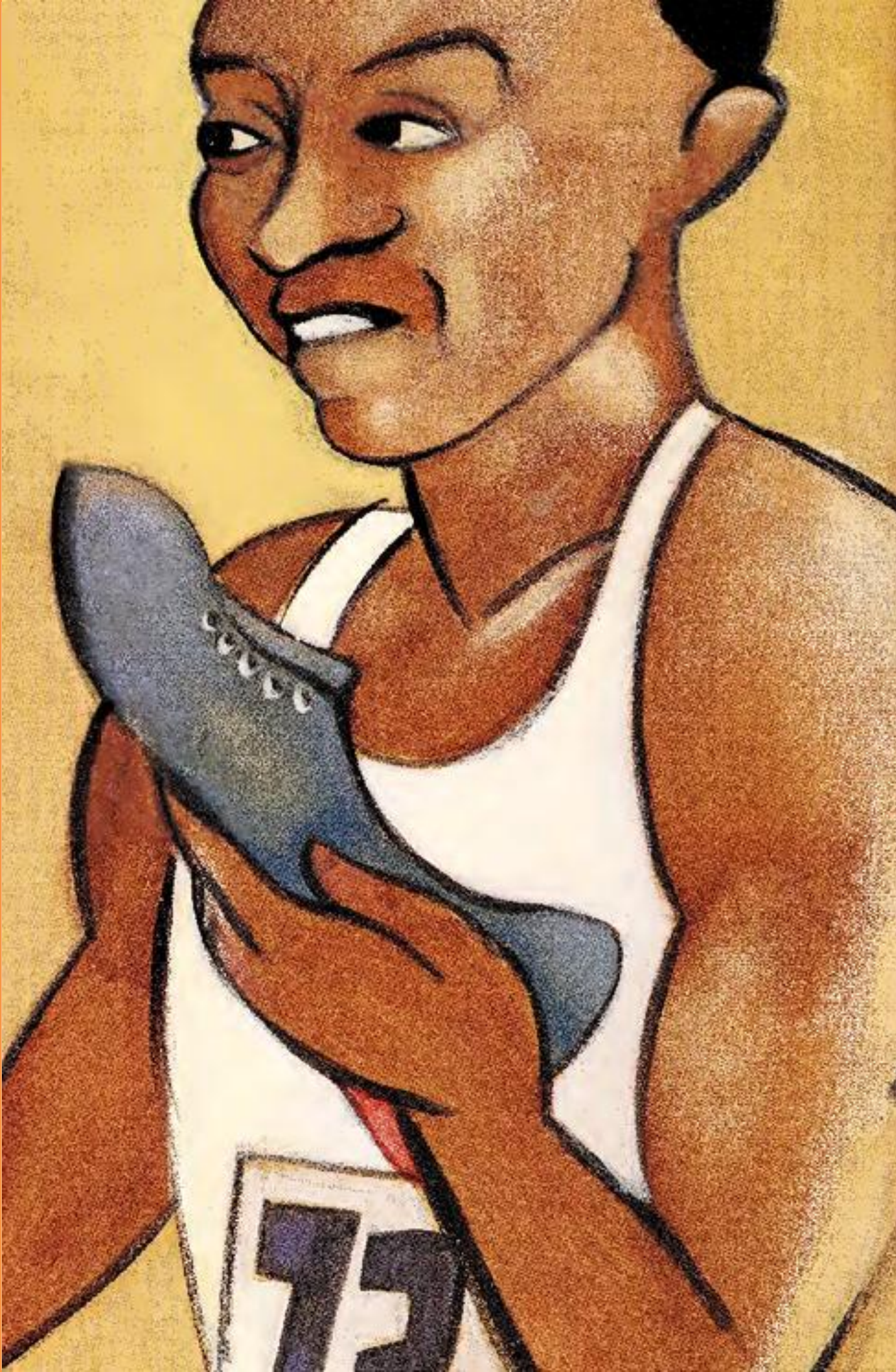
पर जेसी, हिटलर के बारे में नहीं सोच रहा था.

वो केवल "एक या दो गोल्ड मैडल घर ले जाने"

के बारे में सोच रहा था.

लेकिन पहले उसे एक समस्या को हल करना था.

उसके दौड़ने के जूते गायब थे.

उसके कोच ने नए जूतों के लिए

बर्लिन में दुकानों की तलाश की.

जेसी की पहली दौड़ के पहले,

कोच को दो नए जोड़ी जूते मिले.

फिर भी, कोच चिंतित था.

कहीं नए जूते जेसी के पैरों को चोट न पहुंचाए?

लेकिन जेसी को उसकी चिंता नहीं थी.

"जब वे जूते मुझे काटेंगे तो वे मुझे

और आगे कूदने को मज़बूर करेंगे," उसने कहा.
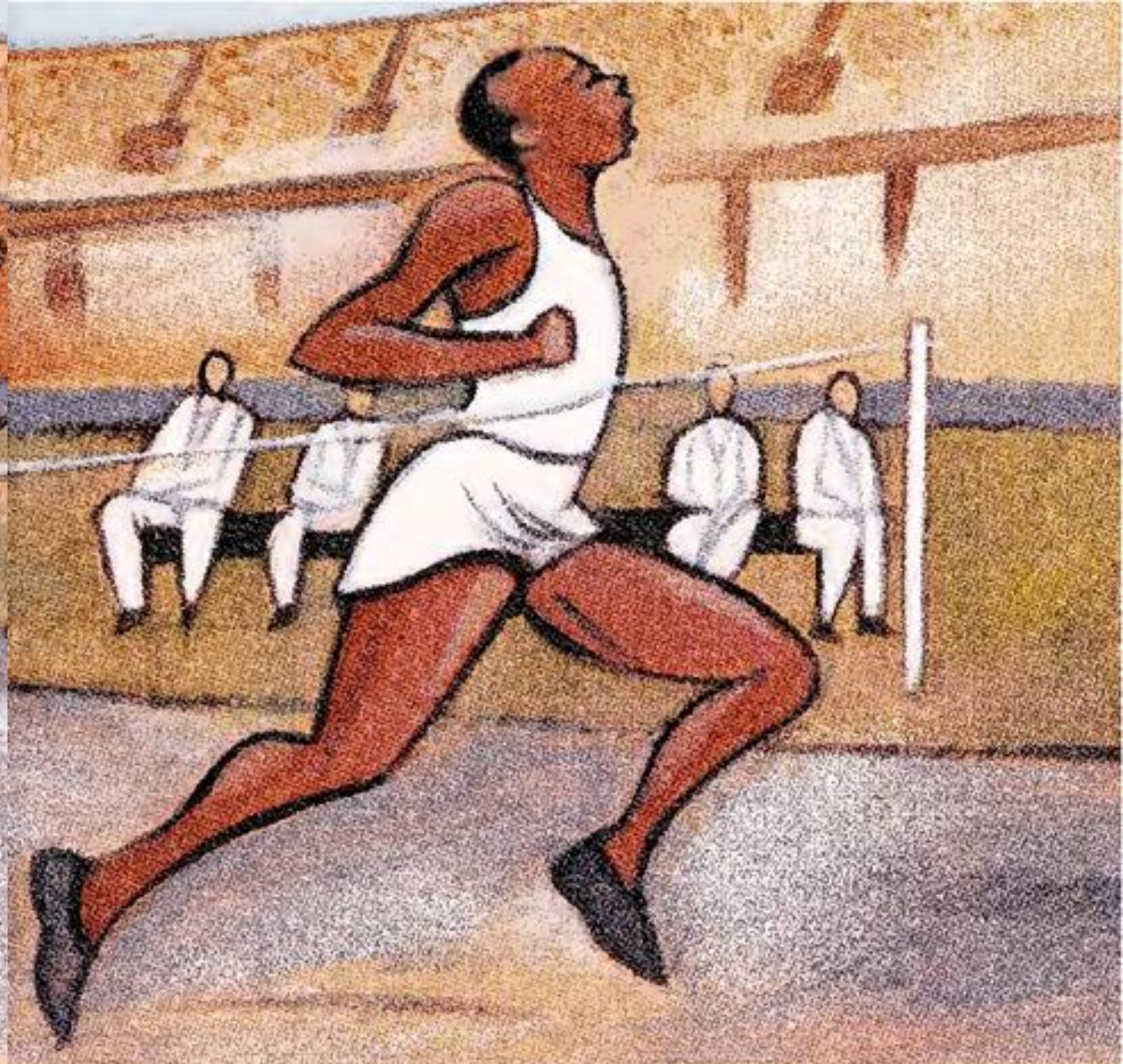
जेसी की पहली घटना 100-मीटर की रेस थी.

ठंडी बारिश हो रही थी.

ट्रैक गीला था.

लेकिन जेसी ने अपनी नजरें फिनिशिंग लाइन पर टिकाए रखीं.

धमाका! स्टार्टर की बंदूक चली गई.

जेसी ने तुरंत बढ़त हासिल की.

उन्होंने अन्य धावकों से लगभग

10-फीट आगे फिनिश को पार किया.

जेसी ने स्वर्ण पदक जीता.

और साथ में एक नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया.

उसने गर्व से देखा - उसके लिए

अमेरिकी झंडा फहराया गया था.

अगले दिन लंबी कूद की बारी थी.

प्रत्येक जम्पर फाइनल में पहुंचने के लिए

तीन बार प्रयास कर सकता था.

जेसी ने हमेशा की तरह ही वार्म-अप किया.

वो रनवे से नीचे गड्ढे में चला गया.

फिर उसे एक आश्चर्य हुआ.

जजों ने उसे इसकी अनुमति नहीं दी.

अब उसे वार्म-अप को उसके

एक प्रयास के रूप में गिना जाएगा.

अपनी दूसरी छलांग में,

जेसी के पैर टेक-ऑफ बोर्ड के कुछ आगे निकल गया.

वो भी नियमों के विरुद्ध था.

उसके पास फाइनल में जगह बनाने का

सिर्फ एक और मौका बचा था.

जेसी डर गया था.
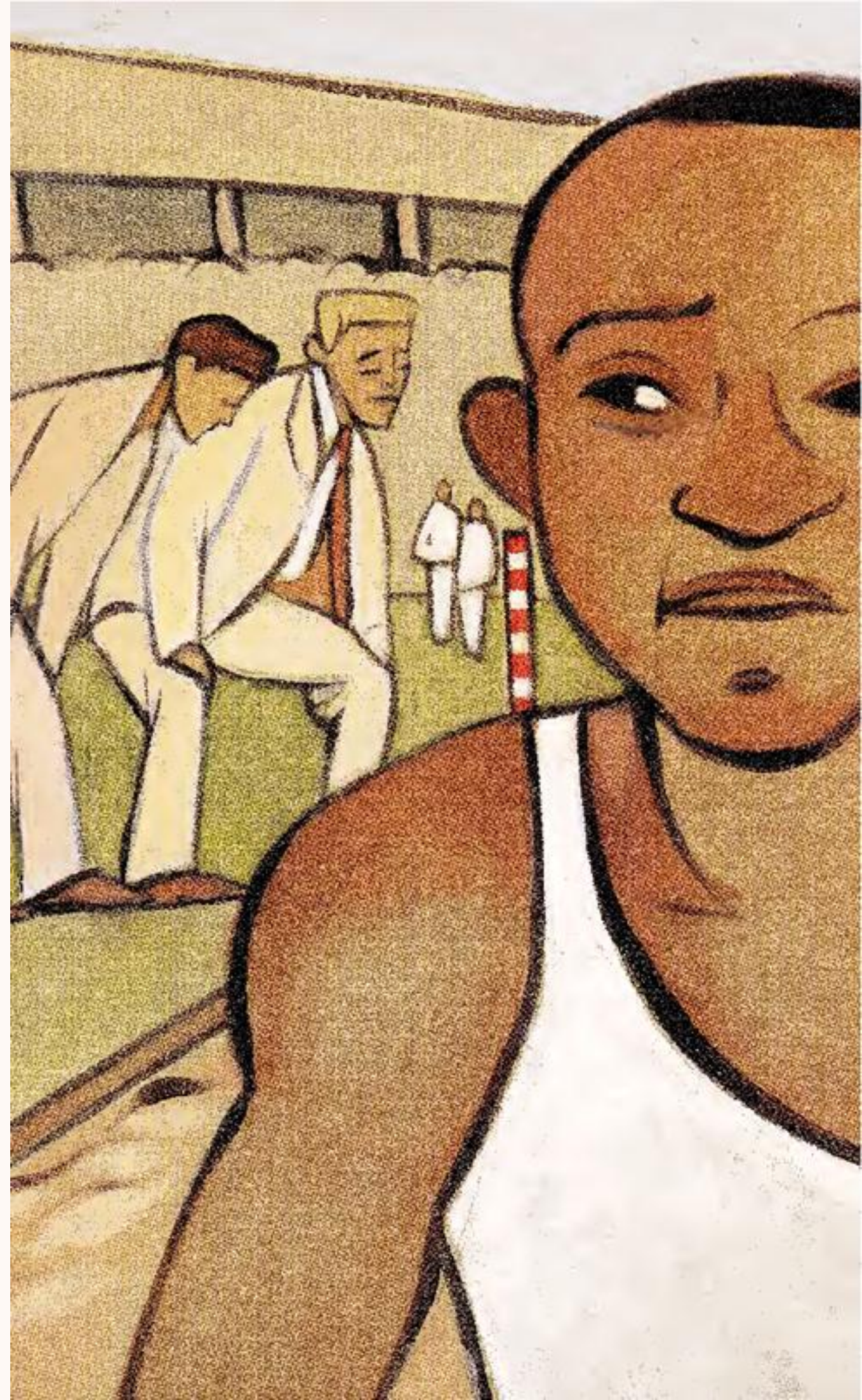
अचानक, जेसी ने अपने कंधे पर किसी के हाथ को महसूस किया.

वो एक जर्मन लॉन्ग जम्पर - लुत्ज़ लॉन्ग था.

लुत्ज़, जेसी का सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वी था.

भला वो जेसी को क्या सलाह दे सकता था?

लुत्ज़ जानता था कि जेसी डर गया था.

लुत्ज़ ने जेसी को चिंता न करने को कहा.

जेसी की छलांग काफी लंबी थी, लुत्ज़ ने कहा.

महत्वपूर्ण बात यह थी कि जेसी इस बार गलती न करे.

लुत्ज़ ने जेसी को टेक-ऑफ बोर्ड से

कुछ इंच पीछे एक निशान लगाने को कहा.

वहाँ से कूदो, उसने कहा.

फिर जेसी निश्चित होगा

और तब वो निशान से आगे नहीं बढ़ेगा.

जेसी मुस्कुराया.

वो एक बहुत अच्छा विचार था!

उसने आराम किया, और फिर से छलांग लगाई.

इस बार का प्रदर्शन अच्छा था.

अब लंबी कूद के फाइनल का समय था.

सबसे पहले, जेसी आगे था.

फिर लुत्ज़ उसके जितना ही कूदा.

अपनी तीसरी और अंतिम छलांग में,

जेसी ने टेक-ऑफ बोर्ड से उम्दा छलांग लगाई.

एक रिपोर्टर ने कहा कि उसे ऐसा लगा जैसे जेसी

"जर्मनी से बाहर कूद रहा हो!"

जब उसने लैंड किया, तो उसने गोल्ड पदक जीत लिया था.

लुत्ज़ लोंग, ने रजत पदक जीता था.

लुत्ज़ दौड़कर जेसी के पास गया और उसने उससे हाथ मिलाया.

दोनों एथलीट मैदान छोड़ते समय एक-दूसरे का हाथ पकड़े थे.

जेसी ने 200-मीटर डैश में भी स्वर्ण पदक जीता.

और 400-मीटर रिले में भी.

उन्होंने चार ओलंपिक रिकॉर्ड बनाए.

हिटलर उससे बहुत निराश हुआ.

लेकिन जर्मन लोगों को जेसी से प्यार हुआ.

उन्होंने स्टैंड से जेसी के नाम का बार-बार जाप किया.

दुनिया भर के अखबारों में जेसी की तस्वीरें छपीं.

जेसी ने अपना सपना साकार किया.

अब वो एक ओलंपिक चैंपियन था.

और एक अमेरिकी हीरो भी.
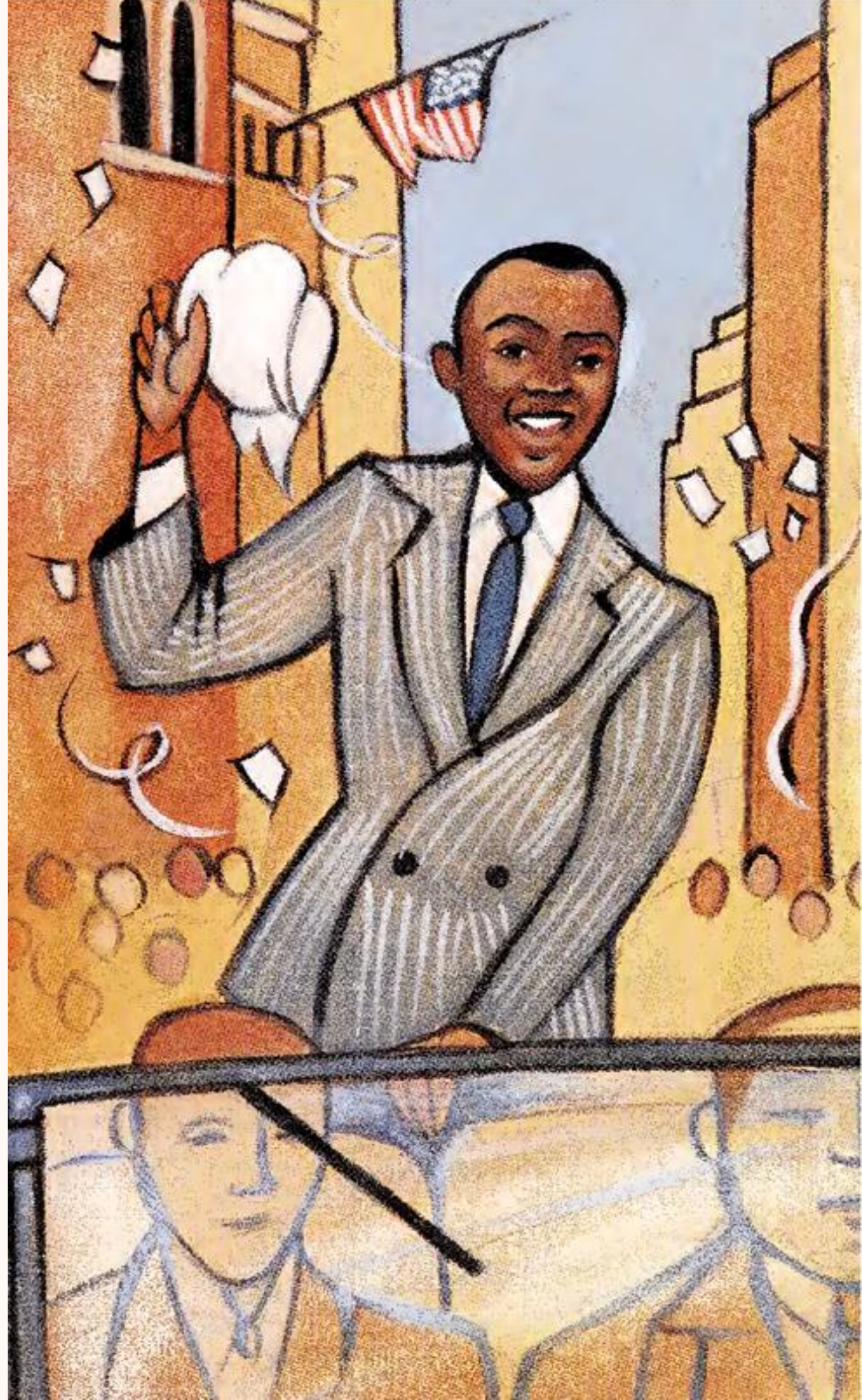
अंत के शब्द

जब तक जेसी ओलंपिक से लौटे, तब तक उनकी और उनकी पत्नी रूथ की तीन बेटियों में से, पहली का जन्म हो चुका था. जेसी को जीविकोपार्जन की जरूरत थी, और उसने बहुत सारी नौकरियां कीं. वो एक बैंड मास्टर, सार्वजनिक वक्ता और बास्केटबॉल टीम के मालिक थे, और उन्होंने एक ड्राई-क्लीनिंग व्यवसाय शुरू किया. उन्हें बेसबॉल खेलों जैसे आयोजनों में प्रदर्शनी दौड़ के लिए भी पैसे मिलते थे.

अपने पूरे जीवन में, जेसी एक सार्वजनिक वक्ता के रूप में मांग में रहे. लोगों को उनकी बुलंद आवाज और कहानियों पसंद थीं. जेसी का संदेश सकारात्मक और प्रेरक था - अमेरिका में लोग, चाहे उनका रंग या पृष्ठभूमि कुछ भी हो, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के ज़रिए अपने सपनों को साकार कर सकते थे.

जेसी के पसंदीदा विषयों में से एक था कि 1936 के ओलंपिक में लंबी कूद के ट्रायल के दौरान लुत्ज़ लॉन्ग ने उनकी कैसे मदद की. कई लोगों ने इस कहानी की सच्चाई पर सवाल उठाया, क्योंकि किसी ने भी वास्तव में उस दिन जेसी और लुत्ज़ को एक साथ बात करते नहीं देखा था. लेकिन जेसी हमेशा अपनी कहानी पर अड़े रहे. उन्होंने लुत्ज़ के साथ अपनी दोस्ती को "सबसे बड़ा ओलंपिक पुरस्कार" कहा.

जैसे-जैसे वे बड़े हुए, जेसी ने भाषण देना, पुरस्कार बाँटना और एथलेटिक कार्यक्रमों में भाग लेना, और दुनिया भर की यात्रा करना जारी रखा. उन्होंने अपने जीवन और अपने विश्वासों के बारे में चार पुस्तकें भी लिखीं. 1980 में, जेसी ओवेन्स का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया. उन्हें हमेशा उनके समर्पण और दृढ़ संकल्प और उनकी अद्भुत ओलंपिक उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1913 जेम्स क्लीवलैंड ओवेन्स का जन्म 12 सितंबर को अलबामा के ओकविले में हुआ था

1922 अपने परिवार के साथ ओहियो के क्लीवलैंड चले गए

1927 फेयरमाउंट जूनियर हाई स्कूल में प्रवेश किया; जहाँ उनकी कोच चार्ल्स रिले से मुलाकात हुई

1930 ईस्ट टेक्निकल हाई स्कूल में प्रवेश लिया

1933 शिकागो, इलिनॉय में राष्ट्रीय अंतरविद्यालय चैम्पियनशिप में तीन स्पर्धाओं में जीत हासिल की; ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रवेश किया

1935 मिशिगन में बिग टेन ट्रैक एरिड फील्ड चैंपियनशिप में, तीन विश्व रिकॉर्ड तोड़े और एक और टाई; मिनी रूथ सोलोमन से शादी की

1936 बर्लिन, जर्मनी में ओलंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीते

1950 एसोसिएटेड प्रेस द्वारा नामित उत्कृष्ट ट्रैक एथलीट ऑफ़ द हाफ सेंचुरी

1955 अमेरिकी विदेश विभाग के लिए सद्भावना राजदूत के रूप में व्यापक रूप से यात्रा करना शुरू किया

1973 संयुक्त राज्य ओलंपिक समिति के निदेशक मंडल के सदस्य बने

1974 ट्रैक एंड फील्ड हॉल ऑफ फ़ेम के लिए चुने गए

1976 राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड द्वारा मेडल ऑफ फ़्रीडम से सम्मानित किया गया

1979 राष्ट्रपति जिमी कार्टर द्वारा लिविंग लीजेंड्स अवार्ड से सम्मानित किया गया

1980 31 मार्च को टक्सन, एरिज़ोना में कैंसर से मृत्यु हुई